नम आंखों से दी विदाई

आचार्य महाश्रमण ने किया बीकानेर की ओर प्रस्थान

विदाई में उमड़े श्रद्धालु

सरदारशहर 22 नवज़्बर, 2010

तेरापंथ धर्मसंघ के ग्यारहवें अधिशास्ता आचार्य महाश्रमण अपना चतुर्मास संपन्न कर तेरापंथ भवन से बीकानेर की ओर प्रस्थान किया। सरदारशहरवासियों को मिले सात महीनों के प्रवास में जीवन उत्थान के सूत्र पाने वाले श्रद्धालुओं की आंखें इस समय नम हो गई। आचार्य महाश्रमण ने जैसे ही प्रदेशी राजा का व्याज़्यान देकर 22 नवज़्बर को सुबह 10.05 बजे भव्य जुलूस के साथ विहार किया, वैसे ही हजारों-हजारों लोगों ने जयकारों के साथ में गगन को गुंजायमान कर दिया।

आचार्य महाश्रमण अपनी धवल सेना के साथ मघवा स्मारक में चातुर्मासिक संपन्नता के बाद प्रथम प्रवास हेतु जुलूस के साथ मंगल विहार किया। जुलूस में चातुर्मास व्यवस्था समिति के अध्यक्ष सुमतिचन्द गोठी, मंत्री रतन दुगड़, कोषाध्यक्ष राजकरन सिरोहिया, स्वागताध्यक्ष बिमलकुमार नाहटा, स्थानीय सभा के अध्यक्ष अशोक नाहटा, मंत्री करणीदान चिण्डालिया, उपाध्यक्ष पीरदान बरमेचा, स्थानीय तेयुप अध्यक्ष गौतम बाफना, तेरापंथ महिला मण्डल, कन्या मण्डल, स्वयं सेवक आदि हजारों श्रावक-श्राविकाएं पंक्तिबद्ध चल रहे थे।

प्रदेशी राजा के व्याज़्यान में आचार्य महाश्रमण ने कुमार श्रमण केशी और राजा प्रदेशी के संवाद के माध्यम से आस्तिक और नास्तिक विचारधारा पर प्रकाश डाला उसके माध्यम से सरदारशहर की जनता को धर्म के प्रति जागरूक होने का संदेश दिया।

आचार्य महाश्रमण ने चातुर्मास व्यवस्था समिति के अध्यक्ष सुमतिचन्द गोठी, स्वागताध्यक्ष बिमल कुमार नाहटा, मंत्री रतन दुगड़, कोषाध्यक्ष राजकरन सिरोहिया आदि सभी कार्यकर्त्ताओं के श्रम की सराहना की।

इस अवसर पर चातुर्मास व्यवस्था समिति के अध्यक्ष सुमतिचन्द गोठी व महामंत्री रतन दुगड़ ने चातुर्मास रिपोर्ट की सीडी आचार्य महाश्रमण को समर्पित की। तेरापंथ कन्या मण्डल की सदस्या स्वाति गधैया द्वारा लिखित 'तेरापंथ के झरोखे में सरदारशहर' नामक पुस्तक आचार्य महाश्रमण को भेंट की। कार्यक्रम का संचालन रतन दुगड़ ने किया।

. . . जा रहे हो तो आने का वादा करो

कार्यक्रम में जब प्रवास व्यवस्था समिति के मंत्री रतन दुगड़ ने 'धर्म के मोड़ पर मिल गये हो अगर तो मिलने-मिलाने का वादा करो, आ गये हो तो जाने की जिद्द ना करो, भगवन जा रहे हो तो आने का वादा करो।' भावपूर्ण पंक्तियां प्रस्तुत की तो उपस्थित श्रद्धालुओं ने ओम अर्हम् की जोरदार ध्वनि के साथ अपनी सहमति दर्शायी।

बंसे गांधी चौक से जाएगी

आचार्य महाश्रमण के विहार में रास्ते की सेवा हेतु यात्रियों के आने-जाने के लिए दिनांक 23 नवज़्बर को छोटी सवाई, 24 को बन्धनाऊ, 25 को भादासर, 26 को आडसर तक सरदारशहर के गांधी चौक से बसों की व्यवस्था चातुर्मास व्यवस्था समिति द्वारा की गई है पुनः प्रवचन के पश्चात बसें रवाना होकर सरदारशहर के गांधी चौक पहुंचेगी, उक्त जानकारी समिति के महामंत्री रतन दुगड़ ने दी।

- शीतल बरड़िया